



02

वीर केवल एक शक्ति
अपनी ही शक्ति से
जीवन जीने की कला है। हीरो
मैन

आज समाज

www.aajsamaj.com

04

सोमवार रात के सत्रों
के उपरान्त से अगले दो
कारणों से



नई दिल्ली, पृष्ठ-04, रविवार, 04 दिसंबर 2022

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र

दिल्ली संका 2079, मार्गदर्श, शुद्ध एवं दृष्टी, मूल्य 2.00 रुपये

तीरंदाजी प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

आज समाज नेटवर्क

बल्लभगढ़। अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ में महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय द्वारा अंतर महाविद्यालय तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ कृष्णकांत गुप्ता, विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ सुबेश पांडेय (प्राचार्य, अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, बल्लभगढ़) उपस्थित थे। कार्यक्रम के आरंभ में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ कृष्णकांत गुप्ता ने खिलाड़ियों के उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि मेहनत, लगन तथा धैर्य ही सफलता कुंजी है।

उन्होंने बताया कि जो विद्यार्थी जीत का हृदय संकल्प मन में रखकर परिश्रम करता है उसे लक्ष्य प्राप्त करने से कोई नहीं रोक सकता। इस अवसर पर संयोजक (खेल समिति) डॉ केएल कौशिक ने बताया कि खेल ही शारीरिक शक्ति का विपुल भंडार है। खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों में आशा, स्फूर्ति



दीप प्रज्ज्वलित करने के उपरांत सभी एक साथ।

आज समाज

एवं नवीन ऊर्जा का संचार होता है। उद्घाटन सत्र में महाविद्यालय प्राचार्य ने रावल इंस्टिट्यूट फरीदाबाद द्वारा आयोजित रावल ओलंपिक्स में अग्रवाल महाविद्यालय के विजेता खिलाड़ियों को नगद इनाम एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जिसमें कबड्डी की टीम रनर-अप रही और विकी हुड्डा को सर्वश्रेष्ठ एथलीट से पुरस्कृत किया गया। इस इंटर कॉलेज तीरंदाजी प्रतियोगिता में

भिन्न-भिन्न महाविद्यालयों से लगभग 100 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया जिसमें इंडियन, रिकर्व और कंपाउंड की प्रतिस्पर्धा कराई जाएगी।

जूनियर नेशनल तीरंदाजी चैम्पीयनशिप में अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ के बीए के शत्रु सागर ने प्रथम तथा महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय में आयोजित एथलेटिक्स में बीए की मेधा ने तृतीय स्थान प्राप्त

करके महाविद्यालय को गौरवान्वित किया। खिलाड़ियों को उत्साहित करने में महाविद्यालय के डीपी नंद किशोर, डॉ जगवीर सिंह, मोहित हुड्डा का सरहनीय योगदान रहता है। इस अवसर पर वरिष्ठ प्रवक्तागण रविन्द्र जैन, डॉ मनोज शुक्ला, डॉ नरेरा कामरा, डॉ रामचंद्र, डॉ रितु, डॉ अशोक निराला मौजूद रहे। धन्यवाद ज्ञापन कमल टंडन (अग्रजी विभागाध्यक्ष) द्वारा किया गया।